भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3292
गुरूवार, 31 मार्च, 2022/10 चैत्र, 1944 (शक)

बेरोजगारी का पता लगाने के लिए अभिकरण और तंत्र

3292. श्री जॉन ब्रिटासः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में बेरोजगारी का पता लगाने के लिए सरकार किन अभिकरणों और तंत्रों पर निर्भर रहती है;
(ख) उक्त उल्लिखित अभिकरणों द्वारा विगत पाँच वर्षों के दौरान शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी सहित दर्ज की गई बेरोजगारी का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) देश में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी दर्ज करने के लिए उपयोग की जाने वाली कार्य पद्धितयाँ क्या है; और
(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) 2017-18 से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी पर आंकड़े एकत्र करता है। इससे पूर्व, श्रम ब्यूरो, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा वर्ष 2010-11 से 2016-17 तक रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण किया जाता था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय रोजगार और बेरोजगारी पर पंचवर्षीय सर्वेक्षण आयोजित किया करता था और ऐसा अंतिम सर्वेक्षण वर्ष 2011-12 में किया गया था। इसके अलावा, देश में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी सहित रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़ों को निर्धारित करने के लिए बड़े पैमाने की घरेलू नमूना सर्वेक्षण पद्धतियों का उपयोग किया जाता है।

श्रम ब्यूरो द्वारा आयोजित किए गए वार्षिक रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षणों तथा एमओएसपीआई द्वारा आयोजित किए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के परिणामों के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित बेरोजगारी दर नीचे दी गई हैः

वर्ष	बेरोजगारी दर (% में)
श्रम ब्यूरो सर्वेक्षण	
2015-16	3.7
2016-17	3.9
आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण	
2017-18	6.0
2018-19	5.8
2019-20	4.8

दोनों सर्वेक्षणों अर्थात् पीएलएफएस और श्रम ब्यूरो- के परिणाम अलग-अलग नमूना पद्धतियों एवं कवरेज के कारण तुलनीय नहीं हैं। पीएलएफएस श्रम बल के मौसमीपन को कवर करता है क्योंकि यह जुलाई से जून (अर्थात् पूर्ण वर्ष) की अवधि के दौरान आयोजित किया जाता है जबकि श्रम ब्यूरो सर्वेक्षण में फील्ड कार्य 7 से 9 माह में विविध है और इसलिए, पूर्ण मौसमीपन को शामिल नहीं किया गया।

*****